Prof. Dr. AlfredToth

3-kontexturale Verbände triadisch-trichotomischer restringierter semiotischer Morphogramme aus asymmetrischen Palindromen II

1. Zu den theoretischen Voraussetzungen siehe Kaehr (2012a-c) und Toth (2017a-c). Der große verstorbene Systemtheoretiker Rudolf Kaehr hat an der hier für die Semiotik von mir weitergeführten Thematik buchstäblich bis zu seinem letzten Atemzug (der von einer Lungenembolie beendet wurde) gearbeitet. Die revolutionäre Idee, welche der Verwendung asymmetrischer Palindrome für die „Morphosphere" (gegenüber derjenigen symmetrischer Palindrome für die „Semiosphere") zu Grunde liegt, ist der Ersatz der Güntherschen Negationszyklen, der jahrzehntelang so gelobten Hamilton-Kreise für mehrwertige Güntherlogiken, durch Knotenverschiebungen in topologischen Zöpfen, also im wesentlichen die Ersetzung des „substantiellen" Austausches von Werten durch die „differentiellen" Reidemeisterbewegungen der Knotentheorie. Die Erweiterung des formalen Potentials, das man damit erreicht, ist schier unglaublich: Man kann unendlich-wertige polykontexturale, d.h. qualitativ-mathematische, logische oder semiotische Systeme konstruieren, die man mit Werten aus Zahlen, logischen Werten, Zeichen oder aber durch Musiknoten oder sogar durch Tanzschritte oder weitere Einheiten der nonverbalen Zeichensysteme (vgl. Kaehr 2012d) belegen kann.

2. Im folgenden werden 3-kontexturale Verbände 3-adisch 3-trichotomischer (und insofern restringierter) Morphogrmame aus den erwähnten asymmetrischen Palindromen konstruiert. Wegen 3! = 6 ergeben wie sich, wie schon in Toth (2017b), 6 Teile.

2.1.

(□□□□□□) (□□□□■□) (□□□□▒□)

(□□□□□■) (□□□□■■) (□□□□▒■)

(□□□□□▒) (□□□□■▒) (□□□□▒▒)

2.2.

(⬚⬚⬚■⬚⬚) (⬚⬚⬚■■⬚) (⬚⬚⬚■▒⬚)

(⬚⬚⬚■⬚■) (⬚⬚⬚■■■) (⬚⬚⬚■▒■)

(⬚⬚⬚■⬚▒) (⬚⬚⬚■■▒) (⬚⬚⬚■▒▒)

2.3.

(⬚⬚⬚▒⬚⬚) (⬚⬚⬚▒■⬚) (⬚⬚⬚▒▒⬚)

(⬚⬚⬚▒⬚■) (⬚⬚⬚▒■■) (⬚⬚⬚▒▒■)

(⬚⬚⬚▒⬚▒) (⬚⬚⬚▒■▒) (⬚⬚⬚▒▒▒)

2.4.

(⬚⬚■⬚⬚⬚) (⬚⬚■⬚■⬚) (⬚⬚■⬚▒⬚)

(⬚⬚■⬚⬚■) (⬚⬚■⬚■■) (⬚⬚■⬚▒■)

(⬚⬚■⬚⬚▒) (⬚⬚■⬚■▒) (⬚⬚■⬚▒▒)

2.5.

(⬚⬚■■⬚⬚) (⬚⬚■■■⬚) (⬚⬚■■▒⬚)

(⬚⬚■■⬚■) (⬚⬚■■■■) (⬚⬚■■▒■)

(⬚⬚■■⬚▒) (⬚⬚■■■▒) (⬚⬚■■▒▒)

2.6.

(⬚⬚■▒⬚⬚) (⬚⬚■▒■⬚) (⬚⬚■▒▒⬚)

(⬚⬚■▒⬚■) (⬚⬚■▒■■) (⬚⬚■▒▒■)

(⬚⬚■▒⬚▒) (⬚⬚■▒■▒) (⬚⬚■▒▒▒)

2.7.

(⬚⬚▒⬚⬚⬚) (⬚⬚▒⬚■⬚) (⬚⬚▒⬚▒⬚)

(⬚⬚▒⬚⬚■) (⬚⬚▒⬚■■) (⬚⬚▒⬚▒■)

(⬚⬚▒⬚⬚▒) (⬚⬚▒⬚■▒) (⬚⬚▒⬚▒▒)

2.8.

(⬚⬚▒■⬚⬚) (⬚⬚▒■■⬚) (⬚⬚▒■▒⬚)

(⬚⬚▒■⬚■) (⬚⬚▒■■■) (⬚⬚▒■▒■)

(⬚⬚▒■⬚▒) (⬚⬚▒■■▒) (⬚⬚▒■▒▒)

2.9.

(⬚⬚▒▒⬚⬚) (⬚⬚▒▒■⬚) (⬚⬚▒▒▒⬚)

(⬚⬚▒▒⬚■) (⬚⬚▒▒■■) (⬚⬚▒▒▒■)

(⬚⬚▒▒⬚▒) (⬚⬚▒▒■▒) (⬚⬚▒▒▒▒)

2.10.

(⬚■⬚⬚⬚⬚) (⬚■⬚⬚■⬚) (⬚■⬚⬚▒⬚)

(⬚■⬚⬚⬚■) (⬚■⬚⬚■■) (⬚■⬚⬚▒■)

(⬚■⬚⬚⬚▒) (⬚■⬚⬚■▒) (⬚■⬚⬚▒▒)

2.11.

(⬚■⬚■⬚⬚) (⬚■⬚■■⬚) (⬚■⬚■▒⬚)

(⬚■⬚■⬚■) (⬚■⬚■■■) (⬚■⬚■▒■)

(⬚■⬚■⬚▒) (⬚■⬚■■▒) (⬚■⬚■▒▒)

2.12.

(⬚■⬚▒⬚⬚) (⬚■⬚▒■⬚) (⬚■⬚▒▒⬚)

(⬚■⬚▒⬚■) (⬚■⬚▒■■) (⬚■⬚▒▒■)

(⬚■⬚▒⬚▒) (⬚■⬚▒■▒) (⬚■⬚▒▒▒)

2.13.

(⬚■■⬚⬚⬚) (⬚■■⬚■⬚) (⬚■■⬚▒⬚)

(⬚■■⬚⬚■) (⬚■■⬚■■) (⬚■■⬚▒■)

(⬚■■⬚⬚▒) (⬚■■⬚■▒) (⬚■■⬚▒▒)

2.14.

(⬚■■■⬚⬚) (⬚■■■■⬚) (⬚■■■▒⬚)

(⬚■■■⬚■) (⬚■■■■■) (⬚■■■▒■)

(⬚■■■⬚▒) (⬚■■■■▒) (⬚■■■▒▒)

2.15.

(⬚■■▒⬚⬚) (⬚■■▒■⬚) (⬚■■▒▒⬚)

(⬚■■▒⬚■) (⬚■■▒■■) (⬚■■▒▒■)

(⬚■■▒⬚▒) (⬚■■▒■▒) (⬚■■▒▒▒)

2.16.

(⬚■▒⬚⬚⬚) (⬚■▒⬚■⬚) (⬚■▒⬚▒⬚)

(⬚■▒⬚⬚■) (⬚■▒⬚■■) (⬚■▒⬚▒■)

(⬚■▒⬚⬚▒) (⬚■▒⬚■▒) (⬚■▒⬚▒▒)

2.17.

(⬚■▒■⬚⬚) (⬚■▒■■⬚) (⬚■▒■▒⬚)

(⬚■▒■⬚■) (⬚■▒■■■) (⬚■▒■▒■)

(⬚■▒■⬚▒) (⬚■▒■■▒) (⬚■▒■▒▒)

2.18.

(⬚■▒▒⬚⬚) (⬚■▒▒■⬚) (⬚■▒▒▒⬚)

(⬚■▒▒⬚■) (⬚■▒▒■■) (⬚■▒▒▒■)

(⬚■▒▒⬚▒) (⬚■▒▒■▒) (⬚■▒▒▒▒)

2.19.

(⬚▒⬚⬚⬚⬚) (⬚▒⬚⬚■⬚) (⬚▒⬚⬚▒⬚)

(⬚▒⬚⬚⬚■) (⬚▒⬚⬚■■) (⬚▒⬚⬚▒■)

(⬚▒⬚⬚⬚▒) (⬚▒⬚⬚■▒) (⬚▒⬚⬚▒▒)

2.20.

(⬚▒⬚■⬚⬚) (⬚▒⬚■■⬚) (⬚▒⬚■▒⬚)

(⬚▒⬚■⬚■) (⬚▒⬚■■■) (⬚▒⬚■▒■)

(⬚▒⬚■⬚▒) (⬚▒⬚■■▒) (⬚▒⬚■▒▒)

2.21.

(⬚▒⬚▒⬚⬚) (⬚▒⬚▒■⬚) (⬚▒⬚▒▒⬚)

(⬚▒⬚▒⬚■) (⬚▒⬚▒■■) (⬚▒⬚▒▒■)

(⬚▒⬚▒⬚▒) (⬚▒⬚▒■▒) (⬚▒⬚▒▒▒)

2.22.

(⬚▒■⬚⬚⬚) (⬚▒■⬚■⬚) (⬚▒■⬚▒⬚)

(⬚▒■⬚⬚■) (⬚▒■⬚■■) (⬚▒■⬚▒■)

(⬚▒■⬚⬚▒) (⬚▒■⬚■▒) (⬚▒■⬚▒▒)

2.23.

(⬚▒■■⬚⬚) (⬚▒■■■⬚) (⬚▒■■▒⬚)

(⬚▒■■⬚■) (⬚▒■■■■) (⬚▒■■▒■)

(⬚▒■■⬚▒) (⬚▒■■■▒) (⬚▒■■▒▒)

2.24.

(⬚▒■▒⬚⬚) (⬚▒■▒■⬚) (⬚▒■▒▒⬚)

(⬚▒■▒⬚■) (⬚▒■▒■■) (⬚▒■▒▒■)

(⬚▒■▒⬚▒) (⬚▒■▒■▒) (⬚▒■▒▒▒)

2.25.

(⬚▒▒⬚⬚⬚) (⬚▒▒⬚■⬚) (⬚▒▒⬚▒⬚)

(⬚▒▒⬚⬚■) (⬚▒▒⬚■■) (⬚▒▒⬚▒■)

(⬚▒▒⬚⬚▒) (⬚▒▒⬚■▒) (⬚▒▒⬚▒▒)

2.26.

(⬚▒▒■⬚⬚) (⬚▒▒■■⬚) (⬚▒▒■▒⬚)

(⬚▒▒■⬚■) (⬚▒▒■■■) (⬚▒▒■▒■)

(⬚▒▒■⬚▒) (⬚▒▒■■▒) (⬚▒▒■▒▒)

2.27.

(⬚▒▒▒⬚⬚) (⬚▒▒▒■⬚) (⬚▒▒▒▒⬚)

(⬚▒▒▒⬚■) (⬚▒▒▒■■) (⬚▒▒▒▒■)

(⬚▒▒▒⬚▒) (⬚▒▒▒■▒) (⬚▒▒▒▒▒)

2.28.

(■⬚⬚⬚⬚⬚) (■⬚⬚⬚■⬚) (■⬚⬚⬚▒⬚)

(■⬚⬚⬚⬚■) (■⬚⬚⬚■■) (■⬚⬚⬚▒■)

(■⬚⬚⬚⬚▒) (■⬚⬚⬚■▒) (■⬚⬚⬚▒▒)

2.29.

(■⬚⬚■⬚⬚) (■⬚⬚■■⬚) (■⬚⬚■▒⬚)

(■⬚⬚■⬚■) (■⬚⬚■■■) (■⬚⬚■▒■)

(■⬚⬚■⬚▒) (■⬚⬚■■▒) (■⬚⬚■▒▒)

2.30.

(■⬚⬚▒⬚⬚) (■⬚⬚▒■⬚) (■⬚⬚▒▒⬚)

(■⬚⬚▒⬚■) (■⬚⬚▒■■) (■⬚⬚▒▒■)

(■⬚⬚▒⬚▒) (■⬚⬚▒■▒) (■⬚⬚▒▒▒)

2.31.

(■⬚■⬚⬚⬚) (■⬚■⬚■⬚) (■⬚■⬚▒⬚)

(■⬚■⬚⬚■) (■⬚■⬚■■) (■⬚■⬚▒■)

(■⬚■⬚⬚▒) (■⬚■⬚■▒) (■⬚■⬚▒▒)

2.32.

(■⬚■■⬚⬚) (■⬚■■■⬚) (■⬚■■▒⬚)

(■⬚■■⬚■) (■⬚■■■■) (■⬚■■▒■)

(■⬚■■⬚▒) (■⬚■■■▒) (■⬚■■▒▒)

2.33.

(■⬚■▒⬚⬚) (■⬚■▒■⬚) (■⬚■▒▒⬚)

(■⬚■▒⬚■) (■⬚■▒■■) (■⬚■▒▒■)

(■⬚■▒⬚▒) (■⬚■▒■▒) (■⬚■▒▒▒)

2.34.

(■⬚▒⬚⬚⬚) (■⬚▒⬚■⬚) (■⬚▒⬚▒⬚)

(■⬚▒⬚⬚■) (■⬚▒⬚■■) (■⬚▒⬚▒■)

(■⬚▒⬚⬚▒) (■⬚▒⬚■▒) (■⬚▒⬚▒▒)

2.35.

(■⬚▒■⬚⬚) (■⬚▒■■⬚) (■⬚▒■▒⬚)

(■⬚▒■⬚■) (■⬚▒■■■) (■⬚▒■▒■)

(■⬚▒■⬚▒) (■⬚▒■■▒) (■⬚▒■▒▒)

2.36.

(■⬚▒▒⬚⬚) (■⬚▒▒■⬚) (■⬚▒▒▒⬚)

(■⬚▒▒⬚■) (■⬚▒▒■■) (■⬚▒▒▒■)

(■⬚▒▒⬚▒) (■⬚▒▒■▒) (■⬚▒▒▒▒)

2.37.

(■■⬚⬚⬚⬚) (■■⬚⬚■⬚) (■■⬚⬚▒⬚)

(■■⬚⬚⬚■) (■■⬚⬚■■) (■■⬚⬚▒■)

(■■⬚⬚⬚▒) (■■⬚⬚■▒) (■■⬚⬚▒▒)

2.38.

(■■⬚■⬚⬚) (■■⬚■■⬚) (■■⬚■▒⬚)

(■■⬚■⬚■) (■■⬚■■■) (■■⬚■▒■)

(■■⬚■⬚▒) (■■⬚■■▒) (■■⬚■▒▒)

2.39.

(■■⬚▒⬚⬚) (■■⬚▒■⬚) (■■⬚▒▒⬚)

(■■⬚▒⬚■) (■■⬚▒■■) (■■⬚▒▒■)

(■■⬚▒⬚▒) (■■⬚▒■▒) (■■⬚▒▒▒)

2.40.

(■■■⬚⬚⬚) (■■■⬚■⬚) (■■■⬚▒⬚)

(■■■⬚⬚■) (■■■⬚■■) (■■■⬚▒■)

(■■■⬚⬚▒) (⬚⬚■⬚■▒) (■■■⬚▒▒)

2.41.

(■■■■⬚⬚) (■■■■■⬚) (■■■■▒⬚)

(■■■■⬚■) (■■■■■■) (■■■■▒■)

(■■■■⬚▒) (■■■■■▒) (■■■■▒▒)

2.42.

(■■■▒⬚⬚) (■■■▒■⬚) (■■■▒▒⬚)

(■■■▒⬚■) (■■■▒■■) (■■■▒▒■)

(■■■▒⬚▒) (■■■▒■▒) (■■■▒▒▒)

2.43.

(■■▒⬚⬚⬚) (■■▒⬚■⬚) (■■▒⬚▒⬚)

(■■▒⬚⬚■) (■■▒⬚■■) (■■▒⬚▒■)

(■■▒⬚⬚▒) (■■▒⬚■▒) (■■▒⬚▒▒)

2.44.

(■■▒■⬚⬚) (■■▒■■⬚) (■■▒■▒⬚)

(■■▒■⬚■) (■■▒■■■) (■■▒■▒■)

(■■▒■⬚▒) (■■▒■■▒) (■■▒■▒▒)

2.45.

(■■▒▒⬚⬚) (■■▒▒■⬚) (■■▒▒▒⬚)

(■■▒▒⬚■) (■■▒▒■■) (■■▒▒▒■)

(■■▒▒⬚▒) (■■▒▒■▒) (■■▒▒▒▒)

2.46.

(■▒⬚⬚⬚⬚) (■▒⬚⬚■⬚) (■▒⬚⬚▒⬚)

(■▒⬚⬚⬚■) (■▒⬚⬚■■) (■▒⬚⬚▒■)

(■▒⬚⬚⬚▒) (■▒⬚⬚■▒) (■▒⬚⬚▒▒)

2.47.

(■▒⬚■⬚⬚) (■▒⬚■■⬚) (■▒⬚■▒⬚)

(■▒⬚■⬚■) (■▒⬚■■■) (■▒⬚■▒■)

(■▒⬚■⬚▒) (■▒⬚■■▒) (■▒⬚■▒▒)

2.48.

(■▒⬚▒⬚⬚) (■▒⬚▒■⬚) (■▒⬚▒▒⬚)

(■▒⬚▒⬚■) (■▒⬚▒■■) (■▒⬚▒▒■)

(■▒⬚▒⬚▒) (■▒⬚▒■▒) (■▒⬚▒▒▒)

2.49.

(■▒■⬚⬚⬚) (■▒■⬚■⬚) (■▒■⬚▒⬚)

(■▒■⬚⬚■) (■▒■⬚■■) (■▒■⬚▒■)

(■▒■⬚⬚▒) (■▒■⬚■▒) (■▒■⬚▒▒)

2.50.

(■▒■■⬚⬚) (■▒■■■⬚) (■▒■■▒⬚)

(■▒■■⬚■) (■▒■■■■) (■▒■■▒■)

(■▒■■⬚▒) (■▒■■■▒) (■▒■■▒▒)

2.51.

(■▒■▒⬚⬚) (■▒■▒■⬚) (■▒■▒▒⬚)

(■▒■▒⬚■) (■▒■▒■■) (■▒■▒▒■)

(■▒■▒⬚▒) (■▒■▒■▒) (■▒■▒▒▒)

2.52.

(■▒▒⬚⬚⬚) (■▒▒⬚■⬚) (■▒▒⬚▒⬚)

(■▒▒⬚⬚■) (■▒▒⬚■■) (■▒▒⬚▒■)

(■▒▒⬚⬚▒) (■▒▒⬚■▒) (■▒▒⬚▒▒)

2.53.

(■▒▒■⬚⬚) (■▒▒■■⬚) (■▒▒■▒⬚)

(■▒▒■⬚■) (■▒▒■■■) (■▒▒■▒■)

(■▒▒■⬚▒) (■▒▒■■▒) (■▒▒■▒▒)

2.54.

(■▒▒▒⬚⬚) (■▒▒▒■⬚) (■▒▒▒▒⬚)

(■▒▒▒⬚■) (■▒▒▒■■) (■▒▒▒▒■)

(■▒▒▒⬚▒) (■▒▒▒■▒) (■▒▒▒▒▒)

2.55.

(▒⬚⬚⬚⬚⬚) (▒⬚⬚⬚■⬚) (▒⬚⬚⬚▒⬚)

(▒⬚⬚⬚⬚■) (▒⬚⬚⬚■■) (▒⬚⬚⬚▒■)

(▒⬚⬚⬚⬚▒) (▒⬚⬚⬚■▒) (▒⬚⬚⬚▒▒)

2.56.

(▒⬚⬚■⬚⬚) (▒⬚⬚■■⬚) (▒⬚⬚■▒⬚)

(▒⬚⬚■⬚■) (▒⬚⬚■■■) (▒⬚⬚■▒■)

(▒⬚⬚■⬚▒) (▒⬚⬚■■▒) (▒⬚⬚■▒▒)

2.57.

(▒⬚⬚▒⬚⬚) (▒⬚⬚▒■⬚) (▒⬚⬚▒▒⬚)

(▒⬚⬚▒⬚■) (▒⬚⬚▒■■) (▒⬚⬚▒▒■)

(▒⬚⬚▒⬚▒) (▒⬚⬚▒■▒) (▒⬚⬚▒▒▒)

2.58.

(▒⬚■⬚⬚⬚) (▒⬚■⬚■⬚) (▒⬚■⬚▒⬚)

(▒⬚■⬚⬚■) (▒⬚■⬚■■) (▒⬚■⬚▒■)

(▒⬚■⬚⬚▒) (▒⬚■⬚■▒) (▒⬚■⬚▒▒)

2.59.

(▒⬚■■⬚⬚) (▒⬚■■■⬚) (▒⬚■■▒⬚)

(▒⬚■■⬚■) (▒⬚■■■■) (▒⬚■■▒■)

(▒⬚■■⬚▒) (▒⬚■■■▒) (▒⬚■■▒▒)

2.60.

(▒⬚■▒⬚⬚) (▒⬚■▒■⬚) (▒⬚■▒▒⬚)

(▒⬚■▒⬚■) (▒⬚■▒■■) (▒⬚■▒▒■)

(▒⬚■▒⬚▒) (▒⬚■▒■▒) (▒⬚■▒▒▒)

2.61.

(▒⬚▒⬚⬚⬚) (▒⬚▒⬚■⬚) (▒⬚▒⬚▒⬚)

(▒⬚▒⬚⬚■) (▒⬚▒⬚■■) (▒⬚▒⬚▒■)

(▒⬚▒⬚⬚▒) (▒⬚▒⬚■▒) (▒⬚▒⬚▒▒)

2.62.

(▒⬚▒■⬚⬚) (▒⬚▒■■⬚) (▒⬚▒■▒⬚)

(▒⬚▒■⬚■) (▒⬚▒■■■) (▒⬚▒■▒■)

(▒⬚▒■⬚▒) (▒⬚▒■■▒) (▒⬚▒■▒▒)

2.63.

(▒⬚▒▒⬚⬚) (▒⬚▒▒■⬚) (▒⬚▒▒▒⬚)

(▒⬚▒▒⬚■) (▒⬚▒▒■■) (▒⬚▒▒▒■)

(▒⬚▒▒⬚▒) (▒⬚▒▒■▒) (▒⬚▒▒▒▒)

2.64.

(▒■⬚⬚⬚⬚) (▒■⬚⬚■⬚) (▒■⬚⬚▒⬚)

(▒■⬚⬚⬚■) (▒■⬚⬚■■) (▒■⬚⬚▒■)

(▒■⬚⬚⬚▒) (▒■⬚⬚■▒) (▒■⬚⬚▒▒)

2.65.

(▒■⬚■⬚⬚) (▒■⬚■■⬚) (▒■⬚■▒⬚)

(▒■⬚■⬚■) (▒■⬚■■■) (▒■⬚■▒■)

(▒■⬚■⬚▒) (▒■⬚■■▒) (▒■⬚■▒▒)

2.66.

(▒■⬚▒⬚⬚) (▒■⬚▒■⬚) (▒■⬚▒▒⬚)

(▒■⬚▒⬚■) (▒■⬚▒■■) (▒■⬚▒▒■)

(▒■⬚▒⬚▒) (▒■⬚▒■▒) (▒■⬚▒▒▒)

2.67.

(▒■■⬚⬚⬚) (▒■■⬚■⬚) (▒■■⬚▒⬚)

(▒■■⬚⬚■) (▒■■⬚■■) (▒■■⬚▒■)

(▒■■⬚⬚▒) (▒■■⬚■▒) (▒■■⬚▒▒)

2.68.

(▒■■■⬚⬚) (▒■■■■⬚) (▒■■■▒⬚)

(▒■■■⬚■) (▒■■■■■) (▒■■■▒■)

(▒■■■⬚▒) (▒■■■■▒) (▒■■■▒▒)

2.69.

(▒■■▒⬚⬚) (▒■■▒■⬚) (▒■■▒▒⬚)

(▒■■▒⬚■) (▒■■▒■■) (▒■■▒▒■)

(▒■■▒⬚▒) (▒■■▒■▒) (▒■■▒▒▒)

2.70.

(▒■▒⬚⬚⬚) (▒■▒⬚■⬚) (▒■▒⬚▒⬚)

(▒■▒⬚⬚■) (▒■▒⬚■■) (▒■▒⬚▒■)

(▒■▒⬚⬚▒) (▒■▒⬚■▒) (▒■▒⬚▒▒

2.71.

(▒■▒■⬚⬚) (▒■▒■■⬚) (▒■▒■▒⬚)

(▒■▒■⬚■) (▒■▒■■■) (▒■▒■▒■)

(▒■▒■⬚▒) (▒■▒■■▒) (▒■▒■▒▒)

2.72.

(▒■▒▒⬚⬚) (▒■▒▒■⬚) (▒■▒▒▒⬚)

(▒■▒▒⬚■) (▒■▒▒■■) (▒■▒▒▒■)

(▒■▒▒⬚▒) (▒■▒▒■▒) (▒■▒▒▒▒)

2.73.

(▒▒⬚⬚⬚⬚) (▒▒⬚⬚■⬚) (▒▒⬚⬚▒⬚)

(▒▒⬚⬚⬚■) (▒▒⬚⬚■■) (▒▒⬚⬚▒■)

(▒▒⬚⬚⬚▒) (▒▒⬚⬚■▒) (▒▒⬚⬚▒▒)

2.74.

(▒▒⬚■⬚⬚) (▒▒⬚■■⬚) (▒▒⬚■▒⬚)

(▒▒⬚■⬚■) (▒▒⬚■■■) (▒▒⬚■▒■)

(▒▒⬚■⬚▒) (▒▒⬚■■▒) (▒▒⬚■▒▒)

2.75.

(▒▒⬚▒⬚⬚) (▒▒⬚▒■⬚) (▒▒⬚▒▒⬚)

(▒▒⬚▒⬚■) (▒▒⬚▒■■) (▒▒⬚▒▒■)

(▒▒⬚▒⬚▒) (▒▒⬚▒■▒) (▒▒⬚▒▒▒)

2.76.

(▒▒■⬚⬚⬚) (▒▒■⬚■⬚) (▒▒■⬚▒⬚)

(▒▒■⬚⬚■) (▒▒■⬚■■) (▒▒■⬚▒■)

(▒▒■⬚⬚▒) (▒▒■⬚■▒) (▒▒■⬚▒▒)

2.77.

(▒▒■■⬚⬚) (▒▒■■■⬚) (▒▒■■▒⬚)

(▒▒■■⬚■) (▒▒■■■■) (▒▒■■▒■)

(▒▒■■⬚▒) (▒▒■■■▒) (▒▒■■▒▒)

2.78.

(▒▒■▒⬚⬚) (▒▒■▒■⬚) (▒▒■▒▒⬚)

(▒▒■▒⬚■) (▒▒■▒■■) (▒▒■▒▒■)

(▒▒■▒⬚▒) (▒▒■▒■▒) (▒▒■▒▒▒)

2.79.

(▒▒▒⬚⬚⬚) (▒▒▒⬚■⬚) (▒▒▒⬚▒⬚)

(▒▒▒⬚⬚■) (▒▒▒⬚■■) (▒▒▒⬚▒■)

(▒▒▒⬚⬚▒) (▒▒▒⬚■▒) (▒▒▒⬚▒▒)

2.80.

(▒▒▒■⬚⬚) (▒▒▒■■⬚) (▒▒▒■▒⬚)

(▒▒▒■⬚■) (▒▒▒■■■) (▒▒▒■▒■)

(▒▒▒■⬚▒) (▒▒▒■■▒) (▒▒▒■▒▒)

2.81.

(▒▒▒▒⬚⬚) (▒▒▒▒■⬚) (▒▒▒▒▒⬚)

(▒▒▒▒⬚■) (▒▒▒▒■■) (▒▒▒▒▒■)

(▒▒▒▒⬚▒) (▒▒▒▒■▒) (▒▒▒▒▒▒)

Literatur

Kaehr, Rudolf, Some Formal Aspects of Morphic Palindromes. Glasgow 2012 (2012a)

Kaehr, Rudolf, Gunther's Negation Cycles and Morphic Palindromes. Glasgow 2012 (2012b)

Kaehr, Rudolf, Morphosphere(s): Asymmetric Palindromes as Keys. Glasgow 2012 (2012c)

Kaehr, Rudolf, Morphogrammatics of Memristive Music Production. Glasgow 2012 (2012d)

Toth, Alfred, Partitionen von Stirling-Zahlen und moegliche Implikationen zu den strukturellen Restriktionen an Zeichenklassen. In: Electronic Journal for Mathematical Semiotics, 2017a

Toth, Alfred, Morphogramme aus asymmetrischen semiotischen Palindromen I-VI. In: Electronic Journal for Mathematical Semiotics, 2017b

Toth, Alfred, Asymmetrische semiotische Palindrome. In: Electronic Journal for Mathematical Semiotics, 2017c

22.12.2017